

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 30 September 2026

ऑपरेशन सिंदूर पर विपक्ष की रणनीति तेज़, I.N.D.I.A गठबंधन की अहम बैठक आज दिल्ली में |

Publisher

Published on 03 Jun 2025



ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्षी दलों ने केद्र सरकार पर पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग तेज कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में I.N.D.I.A गठबंधन के प्रमुख नेताओं की बैठक बुलाई गई है।

बैठक का एजेडा और शामिल नेता

नई दिल्ली : 3 जून, मंगलवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में विपक्षी दलों के प्रमुख नेता ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सरकार की चुप्पी पर चर्चा करने के लिए एकजुट हुए हैं। बैठक में **जयराम रमेश, संजय राउत, रामगोपाल यादव, मनोज झा और डेरेक ओ'ब्रायन** जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हो चुके हैं।

बैठक के बाद दोपहर 12:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी, जिसमें संसद सत्र की मांग पर संयुक्त रणनीति की घोषणा संभव है।

PM को भेजा गया पत्र, 200 से अधिक सांसदों के हस्ताक्षर

सूत्रों के मुताबिक, संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए एक पत्र तैयार किया गया है, जिस पर लोकसभा के 200 से अधिक सांसदों के हस्ताक्षर हैं। इस पत्र को आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सार्वजनिक किया जा सकता है।

ऑल पार्टी डेलिगेशन की वापसी के बाद बहस की तैयारी

सरकार की ओर से सात ऑल पार्टी डेलिगेशन को विदेश भेजा गया है ताकि ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल किया जा सके। विपक्ष का इरादा है कि जैसे ही ये प्रतिनिधिमंडल लौटे, संसद में इस मुद्दे पर खुली बहस कराई जाए।

मनोज झा का आरोप : जनता को अंधेरे में रखा जा रहा है

राजद सांसद मनोज कुमार झा ने पीएम को पत्र लिखकर कहा है कि जनता को सरकार के फैसलों की जानकारी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, “डोनाल्ड ट्रंप बार-बार मध्यस्थता की बात करते हैं, लेकिन भारत सरकार चुप्पी साधे हुए है।”

CDS के बयान से उठा विवाद

CDS जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में कहा, “मुद्दा यह नहीं कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे?” कांग्रेस ने इस बयान को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए आरोप लगाया कि सरकार जानकारी छिपा रही है।

खड़गे और ममता बनर्जी ने की विशेष सत्र की मांग

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भी विशेष सत्र की मांग की है।

खड़गे ने सोशल मीडिया पर पूछा: “क्या भारत और पाकिस्तान अब फिर दोस्त बन गए हैं? संघर्षविराम की शर्तें क्या थीं?”

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com